



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—डाइ ३—उत्तराधि (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३२७] नई दिल्ली, मंग़ा वार, जुलाई २०, १९७६/शाष्ठा २९, १८९८

No. ३२७] NEW DELHI, TUESDAY, JULY २०, १९७६/ASADHA २९, १८९८

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिस से कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th July 1976.

S.O. 484(E).—Whereas the Central Government is satisfied that it is necessary so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 8 of the Central Sales Tax Act, 1956 (74 of 1956), the Central Government hereby directs that in respect of the sales of goods specified in column (2) of the Table below, which are made in the course of inter-State trade or commerce by any dealer having his place of business in the Union territory of Delhi to a registered dealer having his place of business outside that Union territory the tax payable under sub-section (1) of the said section 8 shall be calculated at the rate specified against such goods in column(3) of the said Table.

TABLE

S. No (1)	Description of goods (2)	Rate of tax (3)
1	Dry fruits	2 per centum
2	Tea	2 per centum
3	Sarson, toria till or taramira oil (not being hydrogenated vegetable oil)	1 per centum

2. This notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

[No. U 15034/7/76-Delhi]

K. C. PANDEYA, JL. Secy.

पूर्ण मन्त्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1976

का० पा० 484 (म).—केन्द्रीय सरकार ना यह अधिसूचना हो गया है कि सार्वजनिक हित में ऐसा करना आवश्यक है;

मतः अब, केन्द्रीय विकास कर अधिनियम, 1956 (1956 का 74) की धारा 8 की उपवारा (5) धारा प्रदत्त विकासों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इस अधिसूचना द्वारा निर्देश करता है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में विविदिष्ट माल के उत्तरिक्षय की बाबत जो, अन्तर्राज्यि व्यापार या बाणिज्य के अनुक्रम में, जिसी ऐसे व्याहारी द्वारा जिसके कारबार का स्थान दिल्ली संघ राज्यक्षेत्र में है, ऐसे रजिस्ट्रेड व्याहारी को, कि के कारबार ना रथान उक्त संघ राज्यक्षेत्र से बाहर है, किया जाता है, उक्त धारा 8 का उपधारा (1) के अधिन देय कर का गणना उस दर पर को उत्तम जो उसने तारणों के स्तरम् (3) में ऐसे माल के सामने विनिर्दिष्ट है।

सारणी

क्रम सं०	माल का विवरण	कर का दर
(1)	(2)	(3)
1	मेवा (इडाई फुट)	2 प्रतिशत
2	चाय	2 प्रतिशत
3.	सरसों, टोरिधा, तिल या तारामीरा तेल (जो कि हाइड्रोजनकृत घनस्पति तेल नहीं है)	1 प्रतिशत

2. यह अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

[नं० यू-15034/7/76-दिल्ली]

का० सी० पांडेय, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मन्त्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976